

परिचायक टिप्पणी

इस पुस्तक के दो भाग हैं - अर्थात् भाग "क", जिसमें राजस्व प्राप्तियां और भाग "ख", जिसमें पूंजी प्राप्तियां प्रदर्शित की गई हैं।

भाग "क" में राजस्व प्राप्तियों के अनुमानों का विवरण दिया गया है, जिन्हें दो वर्गों अर्थात् (क) कर-राजस्व तथा (ख) कर-भिन्न राजस्व के अन्तर्गत वर्गीकृत किया गया है।

भाग "ख" का सम्बन्ध पूंजी प्राप्तियों से है, जिनमें बाजार ऋण, विदेशी सहायता, अल्प बचतें, सरकारी भविष्य निधियां, विभिन्न जमा खातों में प्राप्त राशियां तथा रेलवे, दूर संचार आदि जैसे विभागों की मूल्यहास और प्रारक्षित निधियां भी सम्मिलित हैं।

अनुबन्ध:

अनुबन्ध 1 में केन्द्रीय करों और शुल्कों में राज्यों के हिस्से का राज्य-वार वितरण दिया गया है।

विदेशी स्रोतों से प्राप्त ऋणों और अनुदानों तथा विदेशी ऋणों की वापसी-अदायगी का ब्यौरा अनुबन्ध 2 में दिया गया है। अनुबन्ध 3 में भारत सरकार के कई वर्षों के कर्ज की स्थिति का सार दिया गया है जिसके साथ सरकार के पूंजी निवेशों और ऋणों सहित उसकी देनदारियों और परिसम्पत्तियों को प्रदर्शित करने वाले विवरण भी दिए गए हैं और अनुबन्ध 4 में सरकार के चालू रूपया ऋणों का ब्यौरा दिया गया है।

अनुबन्ध 5 और 6 में क्रमशः प्राप्तियों और खर्च की प्रवृत्तियों को प्रदर्शित किया गया है, जबकि कर और कर-भिन्न प्राप्तियों का विश्लेषण अनुबन्ध 7 में किया गया है। अनुबन्ध 8 में "राष्ट्रीय लघु बचत निधि" में निधियों के प्रवाहों को दर्शाया गया है। व्यय का विश्लेषण "व्यय बजट" पुस्तक खण्ड 1 में प्रस्तुत किया गया है। अनुबन्ध 9 में वार्षिक वित्तीय विवरण में प्रदर्शित प्राप्तियों के अनुमान और प्राप्ति बजट का मिलान दर्शाया गया है।